(ii) Rotation of staff at regular intervals in order to eliminate possibilities of officials developing vested interests;

(iii) Frequent physical verification of stocks of these depots.

(iv) Scanning of Files relating to Contracts being given for transportation of stocks.

(v) Identification of sensitive posts so that persons of proven honesty and ability are posted there.

(vi) Updating and computerisation of stock accounts to prevent manipulation of stock position in its district offices and Depots.

Government has allowed the Corporation to create 8 more Sub-Regional Offices to make the Corporation more effective and efficient.

Reversal of Sugar Licensing Policy

179. SHRI SATISH AGARWAL: Will the Minister of FOOD be pleased to siate:

(a) whether Government have reversed its sugar licensing policy from de-licensing to free licensing;

(b) if so, the reasons thereof, particularly when there is a glut of sugar in the market; and

(c) number of mills set up since the reversal of the policy?

THE MINISTER OF FOOD AND MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI DEVENDRA PRASAD YADAV): (a) and (b) No, Sir. The Government has, however, vide Press Note dated 10.1.1997 liberalised the licensing policy guidelines and the procedure for processing the applications received for setting up of new sugar mills and expansion of existing sugar mills.

(c) It generally takes 3 to 4 years to set jp a new sugar mill.

भारतीय खाघ निगम द्वारा प्राप्त गेहूं और चावल की मात्रा

180. **श्री राम जेठमलानी** : क्या खाघ मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अप्रैल, 1996 के दौरान भारतीय खाघ निगम (एफ.सी.आई.) के गोदामों में गेहूं और चावल की कुल मात्रा कितनी थी और उसके बाद उत्पादकों से प्राप्त गेहूं और चावल की मात्रा कितनी हैं, और

(ख) अप्रैल, 1996 से अक्तूबर, 1996 तक की अवधि के दौरान सार्वजानिक वितरण प्रणाली के माध्यम से राज्यों को विक्रय किए गए गेहूं और चावल की कुल मात्रा कितनी थी और निगम द्वारा निर्यात के लिए खुले बाजार में और गेहूं घरेलू खपत के लिए इन वस्तुओं की कितनी-कितनी मात्रा बेची गई?

खाघ मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजानिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव) : (क) दिनांक 1.4.96 को स्थिति के अनुसार भारतीय खाघ निगम के पास 147.10 लाख टन गेहू और चावल की मात्रा होने का अनुमान था, जिसमें 111.45 लाख टन चावल और 35.65 लाख टन गेहूं शामिल हैं। अप्रैल,1996 से जनवरी, 1997 के दौरान केन्द्रीय पुल के लिए मिल मालिकों से लेबी के रूप में वसूल और एकत्र की गई गेहूं और चावल की मात्रा 183.11 लाख टन हैं जिसमें 101.29 लाख टप चावल और 81.82 लाख टन गेहूं शामिल हैं।

(ग) अप्रैल से अक्तूबर, 1996 के दौरान सार्वजानिक वितरण प्रणाली के माध्यम से जारी किए गए गेहू और चावल की मात्रा 109.63 लाख टन (अनन्तिम) हैं जिसमें 64.61 लाख टन चावल और 45.02 लाख टन गेहूं शामिल हैं। खुले बाजार मे बिक्री योजना के अधीन और भारतीय खाघ निगम द्वारा घरेलू उपयोग और निर्यात के लिए जारी की गई चावल और गेहूं की मात्रा क्रमश: 2.70 लाख टन और 16.83 लाख टन हैं।

गेहूं आयात किये जाने के कारण

181. **श्री ईश दत्त यादव** :
श्री रामगोपाल यादव :

क्या खाघ मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने भारी मात्रा में गेहूं का आयात किया हैं.